

**वैदेशिक कार्य मंत्री के सभा सचिव (श्री साबत बली खाँ) :** जी, हाँ, बोध-गया में एक बौद्ध मन्दिर बनवाने का उनका विचार है ।

**श्री रघुनाथ सिंह :** क्या मैं जान सकता हूँ कि क्या कोई और भी ऐसे देश हैं जिन्होंने भारत में मन्दिर बनाने की दरखास्तें भेजी हैं ?

**प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) :** जी, नहीं, कोई और ऐसी दरखास्तें नहीं आईं और न ही हम औरों से मन्दिर बनाने की दरखास्तें ही करते हैं ।

#### Steel

\*611. **Dr. Ram Subhag Singh :** Will the Minister of Iron and Steel be pleased to state :

(a) whether Government propose to introduce any new system of processing steel in the State steel concerns;

(b) if so, the nature thereof ; and

(c) whether the entire output of India's State steel factories will be processed under this new system?

**The Minister of Industries (Shri Kanungo) :** (a) to (c). The question of adopting the new LD (Linz-Donawitz) process recently developed in Austria for the manufacture of the greater part of the Steel output in the case of the Hindustan Steel Limited is still under consideration. It is yet premature to say whether, and if so to what extent this process would be used for steel making in the other steel units to be established by Government.

**Dr. Ram Subhag Singh :** May I know whether the Government of India have invited any technical team from Austria to help this Government to introduce that processing system in this country?

**Shri Kanungo :** This is a well-established process which is worked out in many parts of the world and the consultants of Hindustan Steel are also well up for consultation purposes in this process.

#### छोटे पैमाने के उद्योग

\*६१२. **श्री विभूति मिश्र :** क्या उत्पादन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि छोटे पैमाने के उद्योगों द्वारा तैयार वस्तुओं के विपणन के लिये सरकार ने एक विस्तृत योजना स्वीकृत की है ; और

(ख) यदि हाँ, तो उस योजना की मुख्य मुख्य बातें क्या हैं तथा यह कब से लागू होगी ?

**उत्पादन उप मंत्री (श्री सतीश चन्द्र) :** (क) अखिल भारतीय खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, दस्तकारी बोर्ड और रेशम बोर्ड अपने अपने माल की बाजार में प्रासानी से खपत करने के प्रश्न पर काफी ध्यान दे रहे हैं । परन्तु सरकार के पास कोई विस्तृत योजना विचार करने के लिये नहीं भेजी गई है ।

(ख) विभिन्न बोर्डों ने हाथ की बनी हुई वस्तुओं की सर्व प्रियता बढ़ाने के लिये कुछ कदम उठाये हैं जैसे बिक्री मंडारों को खोलना, प्रदर्शनियों में भाग लेना, तथा दस्तकारियों की सूची छापना, इत्यादि ।

**श्री विभूति मिश्र :** मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार छोटे छोटे पैमाने के ग्रामोद्योगों के लिये तो इतना रुपया दे रही है, लेकिन क्या सरकार गांव में जो चर्खा चला कर सूत कातता है, या जो माल लोहार तैयार करता है या बदर्ई तैयार करता है, उन के माल को खरीदने का भी कोई इन्तजाम बरती है या नहीं करती है ?

**श्री सतीश चन्द्र :** खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड इस बात पर विचार कर रहा है कि जो सूत देहातों में काता जाता है या देहातों में जो दूसरे उद्योग हैं जैसे तेल का, उनका कोषाप्रोपेटिव सोसाइटीज के जरिये से संगठन हो और उनको माली इमवार दी जाये । बोर्ड इस पर भी ध्यान देता है कि किस तरह माल की बाजार में प्रासानी से खपत हो ।